Arbitration वाद सं0–11/2020
श्री अनिल कुमार शर्मा
बनाम
राज्य सरकार एवं अन्य

<u>आदेश/अवार्ड</u>

अनुसूची 14–फारम सं0–563

आदेश की कम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख के साथ
1	2	3
25.04.2023	प्रस्तुत Arbitration वाद श्री अनिल कुमार शर्मा, पिता–स्व0 मैथली शरण ठाकुर, ग्राम–बौरा वाजितपुर, अंचल+थाना–पुपड़ी, जिला–सीतामढ़ी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग सं0–527 C अन्तर्गत अधिग्रहित जमीन (खाता सं0–35 एवं 915 के क्रमशः खेसरा सं0–708, 713 एवं 714) के उचित मुआवजा का भुगतान नहीं किये जाने के विरूद्व दायर किया गया है। दिनांक–18.03.2023 को जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, सीतामढ़ी एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के विद्वान अधिवक्ता से प्राप्त प्रतिवेदन वादी को हस्तगत कराया गया तत्पश्चात् सुनवाई प्रारंभ की गयी। वादी के विद्वान अधिवक्ता का कहना है कि जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, सीतामढ़ी द्वारा अधिग्रहित जमीन अनुसूची–01 में वर्णित है एवं उच्च पथ संख्या–87 के सटे बगल में अवस्थित है। उनका (वादी) दावा है कि प्रश्नगत भूमि का मुआवजा 10,000/–रू0 प्रति डी0 की दर से निर्धारित किया गया है जो बाजार मूल्य से काफी कम है। उनका यह भी दावा है कि उच्च पथ संख्या–87 के सटे बगल में अवस्थित जमीन का सर्किल रेट निबंधन विभाग द्वारा 1,40,000/– रू0 प्रति डी0 निर्धारित किया गया है, जिसकी प्रति दाखिल की गई अभिलेख में उपलब्ध है। वादी द्वारा प्रश्नगत अधिग्रहित जमीन का मुआवजा 1,40,000/– रू0 प्रति डी0 की दर से निर्धारित करते हुए मुआवजे के अंतर राशि एवं उस पर 12% वार्षिक ब्याज की मांग की जा रही है। सक्षम प्राधिकार–सह–जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, सीतामढ़ी द्वारा वादी के वाद पत्र के प्रत्युत्तर में अपने कार्यालय के	

WEB COPY NOT OFFICIAL

पत्रांक–261 दिनांक–16.03.2023 द्वारा प्रतिवेदन समर्पित किया गया है, कि प्रश्नगत अधिग्रहित भूमि का 3D गजट प्रकाशन के अनुरूप खेसरा सं0–708 एवं 713 को धनहर–02 एवं खेसरा सं0–714 को धनहर–03 मानते हुए भूमि का मूल्यांकन किया गया है। जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, सीतामढ़ी द्वारा यह भी प्रतिवेदित किया गया है कि वादी के द्वारा 3A अधिसूचना के प्रकाशन दिनांक–18.02.2017 के 21 दिनों के भीतर भूमि के वर्गीकरण से संबंधित कोई आपत्ति दावा समर्पित नहीं किया गया है।

दिनांक–18.03.2023 को सुनवाई के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के विद्वान अधिवक्ता ने लिखित अभिकथन समर्पित करते हुए उल्लेख किया है कि NHAI Act-1956 की धारा–3G (5) के अधीन वादी द्वारा समर्पित वाद पत्र स्वीकार योग्य नहीं है क्योंकि यह मुआवजा राशि के निर्धारण के बजाये जमीन के वर्गीकरण से संबंधित है। वादी ने धारा–3A NHAI Act-56 के तहत अधिसूचना सं0–KA 98 (A) दिनांक–12.01.2017 के 21 दिनों के अंदर भी कोई दावा/आपत्ति नहीं किया जिसके कारण सक्षम प्राधिकार ने अधिूसूचना में अंकित श्रेंणी के अनुसार मुआवजा का निर्धारण किया है।

इस संबंध में उल्लेखनीय है कि Ministry of Road transport and highways, Government of India (MORTH) के पत्रांक–NH-11011/30/2015-LA दिनांक–28.12.2017 के अनुसार भूमि की प्रकृति 3A अधिसूचना के आधार पर निर्धारित की जाती हैं, जिसका राजस्व अभिलेख खतियान होता है।

साथ ही इस संबंध में MORTH के पत्रांक– NH-11011/30/2015-LA दिनांक–28.12.2017 के कंडिका–10 (iii) में उल्लेखित प्रावधान हैः–

“Certain undesirable practices have come to notice of the Central Government. These include change in the nature of land or adoption of incorrect classification of land for determination of market value of land. it may be noted that the nature of land has to be taken as recorded in the revenue records on the day of

WEB COPY NOT OFFICIAL

publication of section-3A notification. for instance, if some landowner/interested person has raised a factory building or a commercial building upon the land under acquisition without obtaining the "Change in Land use" from the competent authority prescribed by the State Government, he/she cannot take the benefit of treatment of such land as industrial" or "commercial".

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर वादी को मुआवजा का भुगतान किया गया है, जो नियमानुकूल है।

अतएव जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, सीतामढ़ी द्वारा भुगतान संबंधी पारित आदेश में हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं पाते हुए प्रस्तुत वाद अस्वीकृत किया जाता है।

आई0टी0 सहायक को आदेश दिया जाता है कि आदेश प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर इस आदेश को आयुक्त कार्यालय के वेबसाईट पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। इस आदेश की प्रति संभी संबंधितों को दी जाए।

लेखापित एवं संशोधित

आर्बिट्रेटर–सह–आयुक्त
तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर।

आर्बिट्रेटर–सह–आयुक्त
तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर।

WEB COPY NOT OFFICIAL

WEB COPY NOT OFFICIAL